

## माइसीलियम ईटें

[स्रोत: TH](#)

[जलवायु परिवर्तन](#) को देखते हुए, निर्माण उद्योग नमिन कार्बन वाले बकिलों की तलाश कर रहा है, और माइसीलियम ईटें एक आशाजनक नवाचार के रूप में उभरी हैं।

- **माइसीलियम ईटें:** कवक बीजाणुओं, भूसी और चूरा से निर्मित माइसीलियम ईटें हल्की, रेशदार संरचना बनाती हैं, जिनका पर्यावरण पर कम प्रभाव पड़ता है, जबकि पारंपरिक मट्टी की ईटों से प्रतिवर्ष लगभग 300 मिलियन टन CO<sub>2</sub> उत्सर्जित होता है।
  - वे बायोडिग्रेडेबल, अग्निरिधी, हल्के और अच्छे ताप अवरोधक होती हैं, जो उन्हें आंतरिक पैनलिंग, फिल्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिये उपयुक्त बनाते हैं।
  - संभावित अनुप्रयोगों में आंतरिक पैनलिंग, लकड़बन्दी फिल्टर, खेल उपकरण और इलेक्ट्रॉनिक घटक शामिल हैं।
- **माइसीलियम ईट को अपनाने में बाधा उत्पन्न करने वाली चुनौतियाँ:** माइसीलियम ईटों की भार वहन क्षमता कम होती है, नमी अवशोषण क्षमता अधिक होती है, तथा जैवमिनीकरणीयता और दीमकों के प्रति संवेदनशीलता के कारण इनका जीवनकाल भी कम होता है, जिससे ये कंक्रीट की तुलना में कम धारणीय होती हैं।
  - भारत में उष्णकटिबंधीय मौसम की स्थिति, उच्च आर्द्रता और बुनियादी ढाँचे की कमी के कारण व्यापक पैमाने पर वननिर्माण महंगा और अव्यावहारिक हो जाता है।
- **संभावित समाधान:** अग्निरिधी एवं अल्ट्रा वायलेट कोटिंग्स अग्निरिध और स्थायित्व में सुधार कर सकती हैं, जबकि अनुसंधान एवं विकास और नीति समर्थन मट्टी की ईटों के साथ प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ा सकते हैं।



और पढ़ें: [निर्माण क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता](#)

